RPSC AP
Library & PTI

Previous Year Paper
(Rajasthani-II)
22 May, 2024

Adda247

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

1,00,000+ Mock Tests

Personalised Report Card

Unlimited Re-Attempt

600+ Exam Covered

25,000+ Previous Year Papers

500% Refund

IBPS

NABARD

ATTEMPT FREE MOCK NOW

Adda247 | GET IT ON Google Play

रशियागहिरे

प्रश्न–पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode

298845

ALP-23

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 56

Sub : Rajasthani - II
Paper-II

समय : 03:00 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03:00 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न–पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न–पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- प्रश्न–पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है ।
- प्रश्न–पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न–पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।**
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र **एक** ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. OMR उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
7. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।**
8. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।**
9.* **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।**
10. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।**
11. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करते हुए और **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. All questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** *only*.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
11. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर–पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर–पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें । वीक्षक उत्तर–पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे । परीक्षार्थी को उत्तर–पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी ।

56-□

Adda247 GET IT ON Google Play

1. "आवै कूंक पगल्या मेल, अठै तो कांटा रो संसार।
संभै ना था सूं हळयो चीर, जिकण में रिमझोळा रो भार।।"
– कविता री अै ओळियां किण कवि री है ?
(1) रेवतदान चारण (2) सत्यप्रकाश जोशी
(3) कल्याणसिंह राजावत (4) नारायणसिंह भाटी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

2. आईदान सिंह भाटी री रचना है
(1) राग-विजोग (2) मारग
(3) हंसतोड़ा होठां रो सांच (4) अगन सिनांन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

3. मुंशी देवीप्रसाद रै मुजब भक्त शिरोमणि मीरांबाई री जलम किण ठौड़ हुयो ?
(1) मेड़ता (2) चौकड़ी
(3) बाजोली (4) कुड़की
(5) अनुत्तरित प्रश्न

4. क्रांतिकारी केसरीसिंह बारहठ री जोड़ायत रो नाम हो –
(1) ठकुराणी रसाल बाई (2) ठकुराणी सागर बाई
(3) ठकुराणी माणक कंवर (4) ठकुराणी अनोप कंवर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

5. 'पांणी रो कांई पियै, (आ) रगत पियोड़ी रज्ज।'
'मरुधरा' सारू आ बात कुणसो कवि कैयी ?
(1) केसरीसिंह बारहठ (2) शंकरदान सामौर
(3) रंगरेला वीठू (4) हिंगळाजदान कविया
(5) अनुत्तरित प्रश्न

6. कीधो थो कुण कोल, कह पाछो कासूं कियो।
बेटा थारो बोल, सालै निसदिन शंकरा।।
ओ दूहो आधुनिक राजस्थानी रै किण कवि नैं संबोधित है ?
(1) शंकरदान सामौर (2) बारहठ शंकरदान
(3) स्वरूपदास देथा (4) सौभाग्यसिंह शेखावत
(5) अनुत्तरित प्रश्न

7. "म्हैं अणपढ चारण सूं नीं मिळूं" स्वामी गणेशपुरी नैं आ बात कुण कही, जिणनैं सुण'र वांरै जीवण में क्रांतिकारी बदळाव आयो ?
(1) चारण पदमा (2) सूर्यमल्ल मिश्रण
(3) महाराणा सज्जनसिंह (4) कविराजा मुरारिदान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

8. राजस्थानी साहित्येतिहास रै प्रारम्भिक काल री समयावधि री दीठ सूं असंगत जोड़ो छांटो –
(1) हीरालाल माहेश्वरी – 1050 ई.
(2) कल्याणसिंह शेखावत – 800 वि.स
(3) नरोत्तमदास स्वामी – 1100 वि.स
(4) मोतीलाल मेनारिया – 1045 वि.स
(5) अनुत्तरित प्रश्न

9. चंद्रसिंह बिरकाळी नैं वां री कुणसी पोथी सारू नागरी प्रचारिणी सभा, काशी रो रत्नाकर पुरस्कार मिल्यो ?
(1) बादळी (2) लू
(3) बालसाद (4) कह मुकरणी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

10. ठाकुर लालजी री अमर गायिका गवरी बाई बाबत असत्य कथन है –
(1) वां रो जलम डूंगरपुर में हुयो।
(2) वां रै वास्तै बणायोड़ो मिंदर, वापी अर मकान जिण मोहल्लै में है, वो 'गवरी बाई नो ढारो' नाम सूं जाण्यो जावै।
(3) वां रो ब्याव छोटी ऊमर में हुयो अर वां लगैटगै 15 बरसां सुहाग-सुख देख्यो।
(4) पति री मौत बाद में भी वै कैवता कै "म्हारो पति तो परमेसर है, अजर-अमर, म्हैं विधवा किण तरै ?"
(5) अनुत्तरित प्रश्न

11. किणरै विचारां में उमरदान लाळस री कविता मंडण री नी खण्डण री कविता है ?
(1) डॉ. अर्जुनदेव चारण (2) डॉ. रामकुमार वर्मा
(3) डॉ. चन्द्रप्रकास देवल (4) डॉ. गजानन शर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

12. मुगत छंद में लिख्योड़ो पैलो प्रौढकाव्य जिणमें मिनखपणां साथे ऐतिहासिक चरित्र रो वरणाव है –
(1) डॉ. मनोहर शर्मा रो गोपीगीत
(2) नारायणसिंह भाटी रो दुर्गादास
(3) गिरधारीसिंह पड़िहार रो मानखो
(4) सत्यप्रकाश जोशी री 'राधा'
(5) अनुत्तरित प्रश्न

13. "धरती धोरां री" पर बण्योड़ी डॉक्यूमेंट्री ने भारत सरकार रो सबसूं बडो सम्मान मिल्यो –
(1) मूर्तिदेवी साहित्य सम्मान
(2) साहित्य मनीषी सम्मान
(3) सूर्यमल्ल मीसण शिखर सम्मान
(4) स्वर्ण कमल सम्मान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

14. राजस्थान रै कुणसै कवि 'नागरी प्रचारिणी सभा' काशी नैं राजस्थानी इतिहास अर काव्य विषयक ग्रंथां रै प्रकाश सारू 7,000/- दान दियो, जिणरै ब्याज सूं बरसां ताणी ग्रंथ छप्या ?
(1) बारहठ केसरीसिंह सोन्याणा
(2) मुंशी देवीप्रसाद
(3) बारहठ बालाबख्श पालावत
(4) कविया हिंगलाजदान सेवापुरा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Adda247 GET IT ON Google Play

15. कुणसी कृति नाथूदान महियारिया कृत नीं है ?
(1) गाँधी सतक (2) झाला मान सतक
(3) बीर सतसई (4) चूंडा बावनी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

16. सूची-I नैं II सूं सावळसर मिलाओ –

	सूची-I		सूची-II
A	मरदां मर जाज्यो, हासल मत दीज्यो लागत-बागत मत दीज्यो, लाटां-कूंतां मत दीज्यो ।	I	माणिक्यलाल वर्मा
B	कह दो आ डंकै री चोट । मारवाड़ नहिं रहसी ठोट ।	II	जयनारायण व्यास
C	लोग कैवै सूरज ऊगो पण कठै गयो परगास । हाथ हाथ नैं खावण भागै, किणरी राखां आस ।।	III	गणेशलाल व्यास 'उस्ताद'
D	राजनीति रै रोग सूं, पड़ै विपद जद पूर । मेटै संकट मुलक रो, कै साहित कै सूर ।।	IV	उदयराज उजवल

सही विकल्प रो चयन करो ।
(1) A-III, B-II, C-I, D-IV
(2) A-I, B-II, C-III, D-IV
(3) A-IV, B-III, C-II, D-I
(4) A-II, B-I, C-IV, D-III
(5) अनुत्तरित प्रश्न

17. "ओळख इणरी खिमता । ससती रागळ्यां अर । थूळ बिंबां में । मती गमा । ईं री नौंक सूं झरतो । ..... इमरत"
ऊपर लिखी ओळियां में कवि कन्हैयालाल सेठिया किणनैं किणरी खिमता ओळखण रो आह्वान करै ?
(1) करसै नैं हळ री खिमता
(2) नेतावां नैं जनता री खिमता
(3) लिखारां नैं लेखणी री खिमता
(4) नरां नैं नारी री खिमता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

18. "नीवी रै नीचै दबियोड़ी जुग-जुग री माटी दे झपटौ" लोकतंत्र साथै हर बंधन सूं मुगती री आ कविता है –
(1) गणेशलाल व्यास 'उस्ताद' री 'आ कैड़ी आजादी'
(2) रेवतदान चारण री 'इन्कलाब री आंधी'
(3) रेवतदान चारण री 'पग मंडणा'
(4) जयनारायण व्यास री 'ऐसो दीजो राज'
(5) अनुत्तरित प्रश्न

19. "मैं इतणै लोगां कै खातर
कपड़ो नाज कठै सूं लाऊं
राई-राई जगा भोम पर रूकी पड़ी छै
मैं इब वां नैं कठै बसाऊं"
बेहिसाब जनसंख्या माथै व्यंग्य करती आं ओळियां रा रचनाकार है –
(1) विश्वनाथ 'विमलेश' (2) सत्यनारायण अमन
(3) अम्बिका दत्त (4) नागराज शर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

20. 'चेतावनी रा चूंगट्या' रो रचनाकाल है –
(1) सन् 1941 (2) सन् 1939
(3) सन् 1913 (4) सन् 1903
(5) अनुत्तरित प्रश्न

21. 'नंद भारद्वाज' री पोथी है –
(1) कठैई कीं व्हेगो है (2) राजस्थानी अेक
(3) अंधार पख (4) जीवण धन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

22. 'काळ में कुरजां' रा उल्थाकार है –
(1) सांवर दइया (2) नीरज दइया
(3) रावत सारस्वत (4) चन्द्रप्रकास देवल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

23. 'पिरोळ में कुत्ती ब्याई' कविता रो कवि किण पिरोळ अर कुत्ती नैं धरती सारू स्थूल कुत्ती सूं घणी भयावह मानै ?
(1) राजनीति री पिरोळ अर सत्ता भोग लिप्सा री कुत्ती
(2) मानस पिरोळ अर वासना भोग लिप्सा री कुत्ती
(3) सामाजिक पिरोळ अर धुआछूत रै भावां री कुत्ती
(4) धरम री पिरोळ अर अंधविश्वासां री कुत्ती
(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. प्राचीन लिपि पढण में पारंगति रै कारण भारतीय पुरातत्व विभाग रा निदेशक रैया सर जान मार्शल कैयो कै "अै असाधारण गुणी दीखै । भारत रा पैलड़ा आधा दर्जन विद्वानां में आं री गिणती है ।"
कलकत्ता विश्वविद्यालय में व्याख्याता रैया उण विद्वान रो नाम बताओ, जिण सारू मार्शल आ बात कही –
(1) मुंशी देवीप्रसाद
(2) प. रामकर्ण
(3) श्यामलदास दधवाड़िया
(4) गौरी शंकर हीराचंद औझा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Adda247 GET IT ON Google Play

25. सूची-I सूं II नैं सावळसर मिलाओ :

सूची-I		सूची-II	
A	मारवाड़ी	I	मूळचंद प्राणेश
B	मरुवाणी	II	सत्यप्रकाश जोशी
C	ओळमो	III	श्रीमंत कुमार व्यास
D	जलमभोम	IV	रावत सारस्वत
		V	किशोर कल्पनाकांत

सही विकल्प रो चयन करो :
(1) A-III, B-IV, C-V, D-I
(2) A-II, B-III, C-IV, D-I
(3) A-III, B-IV, C-V, D-II
(4) A-IV, B-III, C-V, D-II
(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. नीचै लिखी पोथियां रो प्रकासण-बरस री दीठ सूं सही क्रम है (छेहली सूं पैली) –
(A) फूल केसूला फूल
(B) पगफेरो
(C) कावड़
(D) बरसां रा डीघोड़ा डूंगर लांघिया
सही विकल्प रो चयन करो :
(1) B, D, A, C (2) C, D, A, B
(3) C, D, B, A (4) D, C, B, A
(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. जलमतिथि रै हिसाब सूं रचनाकारां रै नाम रो सही क्रम है (पैली सूं आखरी)
(A) मेघराज मुकुल (B) गजानन वर्मा
(C) नारायणसिंह भाटी (D) कन्हैयालाल सेठिया
सही विकल्प रो चयन करो :
(1) A, B, D, C (2) D, B, A, C
(3) D, A, C, B (4) D, A, B, C
(5) अनुत्तरित प्रश्न

28. आधुनिक राजस्थानी री रामकथात्मक काव्य सूं जुड़ी कृतियां बाबत असत्य कथन है –
(1) 'रामदूत' अेक चवदा सरगां वाळो काव्य है, जिणरा रचयिता श्रीमंत कुमार व्यास है।
(2) विश्वनाथ शर्मा 'विमलेश' कृत 'राम कथा' पांच अध्यायां रो प्रबंधकाव्य है, जिणमें रामजन्म सूं राज्याभिषेक ताणी री कथा है।
(3) 'अंबू रामायण' में अरण्यकांड सूं उत्तरकांड ताणी री कथा चित्रित है।
(4) महावीर जोशी कृत 'राजस्थानी रामायण' तीन खंडां-श्रीमंगळ, वनवास अर विजयश्री में विभक्त है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

29. राजस्थानी काव्यकृति 'गांधी सतक' रा रचनाकार है –
(1) फतेहसिंह 'मानव' (2) रेवतदान दान चारण
(3) नाथूसिंह महियारिया (4) शक्तिदान कविया
(5) अनुत्तरित प्रश्न

30. नीचै लिख्योड़ी रचनावां अर रचनाकार रौ सही जोड़ो है –
(1) कै रे चकवा बात – सुखदा कच्छवाह
(2) कितरी दूर पड़ाव – लक्ष्मीकुमारी चूंडावत
(3) वां दनां री बातां – बसंती पंवार
(4) धोरां पसरयौ हेत – शारदा कृष्ण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

31. नीचै लिख्यां 'निबंध' अर निबंधकार रौ सही जोड़ो है –
(1) काव्य री परख – रामचन्द्र बोड़ा
(2) साहित अर उण रा भेद – डॉ. गोवर्द्धन शर्मा
(3) पणघट री सांझ – गंगाराम पथिक
(4) देस दिसावर रा लोग – सुमेरसिंह शेखावत
(5) अनुत्तरित प्रश्न

32. नीचै लिखी 'कहाणी' अर 'कहाणीकार' रो सही जोड़ौ है –
(1) कागद रो चिकटांस – धनराज चौधरी
(2) असूलां खातर – दामोदर प्रसाद
(3) बाळू रो आकार – बैजनाथ पंवार
(4) भारत भाग्यविधाता – नृसिंह राजपुरोहित
(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. मन रे समझबूझ कर चलणा।
आ अवसर बेर बेर नहीं आवे, हरी हरी नाम उचरणा ।।
आचार, विचार, मिथ्या मनोरथ, धोखा धंधा पर हरणा ।।
कुटुंब केरे संगमत राचे, ग्रहो गिरधर ज्यूं के चरणा ।।
– ओ पद किणरो है ?
(1) मीरां बाई (2) गवरी बाई
(3) समान बाई (4) सहजो बाई
(5) अनुत्तरित प्रश्न

34. नीचै लिख्यां 'नाटक' अर 'नाटककार' रो सही जोड़ौ है –
(1) प्रणवीर प्रताप – सूर्यकरण पारीक
(2) मुगतीगाथा – यादवेन्द्र शर्मा
(3) पाणी पैली पाळ – बद्रीप्रसाद पंचोली
(4) नई बीनणी – सवाईसिंह धमोरा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

35. साहित्य अकादेमी सूं प्रकासित 'इक्कीसवीं सदी री राजस्थानी कविता' रौ 'संपादन' कुण करियौ ?
(1) कुन्दन माली (2) मंगल बादल
(3) रावत सारस्वत (4) तेजसिंह जोधा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Page 4

Adda247 GET IT ON Google Play

36. बंसती पंवार रो उपन्यास जिणनै राजस्थानी भासा, साहित्य अर संस्कृति अकादमी बीकानेर कांनी सूं सांवर दइया पैली पोथी पुरस्कार दिरीज्यो –
(1) अैड़ौ क्यूं (2) दातार
(3) सूरज (4) सौगन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

37. श्रीलाल नथमल जोशी कृत 'आभै पटकी' में किण विकट समस्या नैं केन्द्र में राखीजी है ?
(1) विधवा-ब्याव (2) बाळ-ब्याव
(3) बेमेळ ब्याव (4) अन्तरजातीय ब्याव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

38. डॉ. कल्याणसिंह शेखावत किण कृति नैं राजस्थानी रै आधुनिक उपन्यासां रो प्रथम स्वरूप मानण री बात करै ?
(1) राहिब-साहिब (2) कनक सुंदर
(3) चम्पा (4) कुंवरसी सांखलो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

39. सूची-I नैं II सूं मिलाओ :

सूची-I		सूची-II	
A	नैणां खूट्यो नीर	I	करणीदान बारहठ
B	आदमी रो सींग	II	प्रेमजी प्रेम
C	रामचंद्रा की कथा	III	बैजनाथ पंवार
D	नगादौ	IV	भरत ओळा
		V	भंवरलाल सुथार

सही विकल्प रो चयन करो :
(1) A-III, B-I, C-V, D-IV
(2) A-III, B-I, C-II, D-V
(3) A-I, B-III, C-II, D-V
(4) A-II, B-I, C-III, D-IV
(5) अनुत्तरित प्रश्न

40. रचना अर रचनाकार रो असंगत जोड़ो छांटो –
(1) बोळावण – सूर्यकरण पारीक
(2) जयपुर री ज्योणार – मदन मोहन सिंह
(3) नई बीनणी – भरत व्यास
(4) प्रणवीर प्रताप – गिरधारीलाल व्यास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

41. राजस्थानी री पैली कहाणी रो नाम अर रचनाकाल है
(1) कन्यादान, सं. 1860
(2) बरसगांठ, सं. 1961
(3) विश्रांत प्रवासी, सं. 1961
(4) करड़ी आंच, सं. 1960
(5) अनुत्तरित प्रश्न

42. राजस्थानी एकांकी 'राम मिलाई जोड़ी' रा सिरजणहार है –
(1) गोविंदलाल माथूर (2) नागराज शर्मा
(3) श्रीमंतकुमार व्यास (4) आज्ञाचंद भण्डारी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

43. नारी मनगत री अटकळ अर भाषा री मठोठ वाळी 'नेव-निवाळी' कहाणी संग्रै है –
(1) संतोष चौधरी रो
(2) सविता चौधरी रो
(3) किरण राजपुरोहित 'नितिला' रो
(4) डॉ. शारदा कृष्ण रो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

44. राजस्थानी रो पैलो नाटक सामी आयो –
(1) सं. 1960 में (2) सं. 1858 में
(3) सं. 1857 में (4) सं. 1957 में
(5) अनुत्तरित प्रश्न

45. 'कूदण बाबो' रा रचनाकार है
(1) ब्रजनारायण पुरोहित (2) देवनारायण पुरोहित
(3) प्रो. नेमनारायण जोशी (4) शिवराज छंगाणी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

46. अणु बम सूं होई विधूंसकारी घटना रो सांतरो वरणन होयो है
(1) मेवाड़ी फागण में (2) एकदिन वो ई हो में
(3) म्हारी रूस जात्रा में (4) म्हारी जापान यात्रा में
(5) अनुत्तरित प्रश्न

47. राजस्थानी अनुवाद परंपरा रै विकास रो कारण है –
(1) आपरी भाषा सामी दूजी भाषावां नै निबळो मानणो
(2) अनुवाद री पोथियां लिख पुरस्कार लेवणो
(3) जिग्यासा वृति सूं ग्यान अर भाषा रै साहित्य नै बढावणो
(4) अनुवाद सूं खुदरो जस बढावणो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

48. असंगत जोड़ै रो चयन करो
(1) दौर अर दायरौ – नंद भारद्वाज
(2) राजस्थानी निबंध संग्रह – अर्जुनसिंह शेखावत
(3) परख-निरख – डॉ. पुरुषोत्तम आसोपा
(4) राजस्थानी में आजादी रौ आंदोलन – जहूर खां मेहर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

49. 'मां रो बदळो' उपन्यास किण भांत रो है ?
(1) लोक उपन्यास
(2) आर्थिक समस्या प्रधान उपन्यास
(3) ऐतिहासिक उपन्यास
(4) आधुनिक सोच रो उपन्यास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Adda247 GET IT ON Google Play

50. "आजादी आवतां ई प्रांत भर में ठौड़-ठौड़ शोध संस्थान रा मठ थापन हुयग्या अर लोककथावां नै लोगगीतां रा झंडा गडग्या । साहित्यकार इण मठां अर गादियां रा महंत बणनैं रैयग्या । कीं कंठीबंध चेलाचांटी बणाय लिया अर राजस्थानी नैं ..... मरण खातर छोड-छाड दी ।"
ऊपर लिख्या विचार किण राजस्थानी विद्वान रा है ?
(1) नरोत्तमदास स्वामी (2) नृसिंह राजपुरोहित
(3) सोनाराम विश्नोई (4) आईदान सिंह भाटी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

51. सांवर दइया री 'अेक मुट्ठी खीस', 'हालत', 'कोरा कागद' अर 'अेक दुनियां म्हारी' कहाणियां किण मूळ विषै रै आखती-पाखती घूमती लखावै ?
(1) करसा अर खेती बाड़ी
(2) बोपारी अर बिणज
(3) अफसर अर भ्रष्टाचार
(4) शिक्षक अर भणाई-लिखाई
(5) अनुत्तरित प्रश्न

52. नीचै दियोड़ा आधारां नैं ध्यान में राखतां सही विकल्प रो चयन करो :
(अ) राजस्थानी बातां माथै इतिहास छायोड़ो है अर खास-खास बातां प्रायः इतिहासू बातां ई है ।
(ब) आम तौर पर अै बातां अन्य पुरुष में प्रस्तुत करीजी है ।
विकल्प :
(1) (अ) अर (ब) दोनूं सही
(2) (अ) गळत अर (ब) सही
(3) (अ) अर (ब) दोनूं गळत
(4) (अ) सही अर (ब) गळत
(5) अनुत्तरित प्रश्न

53. सूची-I सूं II नैं सावळसर मिलाओ

सूची-I		सूची-II
A उणियारा	I	वेद व्यास
B आळूं री अखियातां	II	श्रीलाल नथमल जोशी
C बारखड़ी	III	ब्रजनारायण पुरोहित
D सबड़का	IV	शिवराज छंगाणी
	V	नेमनारायण जोशी

सही विकल्प रो चयन करो :
(1) A-IV, B-V, C-I, D-II
(2) A-III, B-V, C-I, D-II
(3) A-II, B-III, C-I, D-V
(4) A-IV, B-V, C-II, D-I
(5) अनुत्तरित प्रश्न

54. 'रवि ठाकरां री बातां' रा उल्थाकार है
(1) मनोहरसिंह राठौड़ (2) रावत सारस्वत
(3) लक्ष्मीकुमारी चूंडावत (4) मनोहर प्रभाकर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

55. राजस्थानी आलोचना साहित्य सूं जुड़ी कृतियां री दीठ सूं असंगत नाम है
(1) बगत दी बारखड़ी (2) इन्दर धनख
(3) आंगळी सीध (4) समय वायरो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

56. नीरज दइया री आलोचनात्मक पोथी जिणमें सौ सूं बेसी कहाणी संग्रै री कहाणियां माथै व्यापक रूप सूं चरचा करीजी । उणरो नाम है –
(1) आलोचना रै आंगणै
(2) राजस्थानी कहाणी रो वर्तमान
(3) बिना हासलपाई
(4) आंगळी सीध
(5) अनुत्तरित प्रश्न

57. कालिदास कृत 'मेघदूत' रो राजस्थानी में अनुवाद करण वाळा रचनाकार है –
(A) इकराम राजस्थानी
(B) नारायण सिंह भाटी
(C) मनोहर शर्मा
(D) रामनाथ व्यास 'परिकर'
(E) मनोहर प्रभाकर
सही विकल्प रो चयन करो –
(1) फगत (C), (D) अर (E)
(2) फगत (A), (B) अर (C)
(3) फगत (B), (C) अर (D)
(4) फगत (B), (C) अर (E)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

58. "अनुवाद रो पैमानो सेंतोळ होवै, नीं कम नीं ज्यादा । बोरी सूं बोरी भरीजणी चाईजै । चितराम कळा में बेओपती अेक रेखा कै ब्रुश रो अेक स्ट्रोक पोसावै कोनीं, आ ई सावचेती अनुवादक खातर होवै । नीं अेक बेसी, नीं अेक कमती..."
अनुवाद पेटै अै विचार व्यक्त करण वाळा विद्वान है –
(1) रामस्वरूप किसान (2) कुंदन माली
(3) चेतन स्वामी (4) मदन सैनी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

59. मैथिली भाषा रै 'गणनायक' कहाणी संग्रै रा राजस्थानी उल्थाकार है –
(1) कृष्णगोपाल कल्ला (2) ब्रजमोहन जावळिया
(3) सत्यनारायण स्वामी (4) शंकरसिंह राजपुरोहित
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Adda247 GET IT ON Google Play

60. सूची-I सूं II नैं सावळसर मिलाओ

सूची-I		सूची-II
A बाणी रो सखरो पाणी	I	अर्जुनसिंह शेखावत
B अणबोल्या बोल	II	सीताराम महर्षि
C अर्जुन आळी आंख	III	डॉ. मनोहर शर्मा
D रोहिड़ै रो फूल	IV	रामनरेश सोनी
	V	जहूर खां मेहर

सही विकल्प रो चयन करो :

(1) A-II, B-I, C-V, D-III
(2) A-IV, B-I, C-V, D-III
(3) A-III, B-II, C-I, D-V
(4) A-I, B-III, C-II, D-IV
(5) अनुत्तरित प्रश्न

61. छोटै टाबर री मौत पर गाईजण वाळै गीत नै कहीजै
(1) हर रो हिंडोळो (2) पंथवारी
(3) छेड़ा (4) हालरिया
(5) अनुत्तरित प्रश्न

62. "धोरां धोर में जंवार
कड़बी काटौ रै मोटियार"
अै ओळियां किण लोकगीत सूं संबंधित है ?
(1) रातीजोगै रो गीत (2) भणत लोकगीत
(3) लावणी लोकगीत (4) आखातीज रो लोकगीत
(5) अनुत्तरित प्रश्न

63. "काळमी अणमोल है, मोल कुण आंकै ? लेणी है तो वचनां रै तोल, माथै रै मोल। जिण दिन काम पड़ै, गायां घेरीजै, याद करूं तो अजेज आवै अर माथो दे मोल चुकावै तो अै बाबा, आ घोड़ी ले जावो"
चावी राजस्थानी लोक कथा मुजब आ बात कुण-किणनैं कैवै ?
(1) राजबाई, पृथ्वीराज राठौड़ नैं
(2) लाछां गूजरी, तेजाजी धोळिया नैं
(3) मां चामुंडा, राव जयमल मेड़तिया नैं
(4) देवल बाई, पाबूजी राठौड़ नैं
(5) अनुत्तरित प्रश्न

64. "घटाटोप नभ आज, कळायण घाल्यो घेर-घुमेर।
पिछवा पून फिरै जद ताणी अब बरसण में देर।
बिरखा मंडी संजोरी।
अन धन री देवाळ, घड़ी-पुळ काढै दोरी।"
ऊपर लिखी ओळियां रा रचनाकार है
(1) सुमनेश जोशी (2) सुमेरसिंह शेखावत
(3) रेवतदान चारण (4) नानूराम संस्कर्ता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

65. बीकानेर में राजस्थानी लोक साहित्य रै अंवेर सारू नरोत्तमदासजी रै प्रयासां सूं थरपणां होई
(1) राजस्थानी लोक साहित्य पीठ
(2) राजस्थानी साहित्य पीठ
(3) राजस्थानी शोध प्रतिष्ठान
(4) राजस्थान रिसर्च इन्स्टीट्यूट
(5) अनुत्तरित प्रश्न

66. पिलानी राजस्थानी ग्रंथमाला सूं पैलपोत कितरा लोकगीतां री संपादित पोथी छपी ?
(1) 200 लोकगीत (2) 205 लोकगीत
(3) 210 लोकगीत (4) 230 लोकगीत
(5) अनुत्तरित प्रश्न

67. नीचै लिखी बातां में दानवीर री बात है –
(1) सातल सोम री बात (2) रेसांमीयै री बात
(3) फोफाणंद री बात (4) दूदोजी री बात
(5) अनुत्तरित प्रश्न

68. राजस्थानी रै ख्यात लोकगीत 'लखपत' बाबत असत्य कथन है –
(A) इण गीत रो नायक लाखो फूलाणी है।
(B) बांकीदास री ख्यात मुजब ओ गीत सिंझ्या आरती रै ठीक बाद में गाईजै।
(C) गीत-नायिका अर ढाढी नै अेक पलंग पर पोढ्या देख'र गीत-नायक आपरी पत्नी ढाढी नै बगसीस में दे देवै।
(D) नायिका अर ढाढी रो नाजायज संबंध देख'र गीत-नायक नैं क्रोध आवै अर वो दोनां रा सिर काट लेवै।
(E) नायिका री मृत देह देख नायक पसीजै अर उणरो दाग खुद रै हाथां करै।
सही विकल्प रो चयन करो –
(1) (A) अर (B) (2) (B), (D) अर (E)
(3) (B) अर (D) (4) (A), (D) अर (E)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

69. डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल रै मुजब 'लोक' है –
(1) जीवण री अटकल है।
(2) जीवण रो महासागर है।
(3) वारता री शैली है।
(4) सुसंस्कृत मिनखां वरग है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Adda247 GET IT ON Google Play

70. "बरसाळो बैरी हुयो, बैरण दूजी बीज ।
माथै आई म्हयारजी, तीजी बैरण तीज ।
बैरी चौथा बादळा, घण पांचमो घुरांत ।
थटी अंधारी थाग बिन, छठमी बैरण रात ।।"
मिलण-सुख रै 16 बैरियां रो बरणाव करता आं दूहां री बात रा पात्र है –
(1) नागजी – नागवंती (2) आबल – खिंवजी
(3) जसा – मयाराम दरजी (4) रतनपाळ – जस्मादे
(5) अनुत्तरित प्रश्न

71. 'धेनड़िया' गीत गाईजै
(1) गाय रै पैलै प्रसव रै बगत
(2) बेटै रै जलम पर
(3) बेटी रै जलम पर
(4) बेटै रै नामकरण माथै
(5) अनुत्तरित प्रश्न

72. राजस्थानी बातां रा कैवणियां इसा-इसा बिड़दाव काम में लेवै कै संबंधित पात्र रो चाल, चरित्र अर चेहरो आँख्यां सामी परतख हुज्यावै । इण कड़ी में नायिका सारू काम लिया जावण वाळा बिड़दाव है
(A) विखायत रो भालो
(B) सती रो नारेळ
(C) उळझ्योड़ो रेसम
(D) कुळ गाम री दीवाळी
सही विकल्प रो चयन करो –
(1) फगत (A), (B) अर (D)
(2) फगत (A), (B) अर (C)
(3) फगत (B), (C) अर (D)
(4) फगत (A), (C) अर (D)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

73. "आजादी मिलतां ई म्हारी वाणी माथै बंदिस लागगी । म्हे उणमें भणाई-लिखाई नीं कर सकां । जिण किणी आपरी नासमझी या हुंस्यारी या साजिस सूं म्हानैं म्हांरी सांवठी विरासत सूं वंचित राख्या (कांई डिंगल साहित्य अर कांई लोक साहित्य) वां नैं किण सबदां में श्राप देवूं, समझ नीं आवै । दुनियां भर रा समूचा श्राप वां सारू कम है, क्यूंकै वां गिणती रा कीं मिनखां रो ई नीं, आखै प्रांत रो घळो घोट्यो है ।"
अै उकळतै काळजै नीकळ्या विचार किण रचनाकार रा है ?
(1) पद्मश्री सीताराम लाळस
(2) पद्मश्री विजयदान देथा
(3) पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया
(4) पद्मश्री चंद्रप्रकाश देवल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

74. सूची-I सूं सूची-II नैं सावळसर मिलाओ

	सूची-I		सूची-II
A	बना थे जाजो जोसीड़ा रै हाट म्हारी बनड़ी रा लगण लिखावो जी पाललियो फर-फर जावै ओ ।	I	वधू-विदाई
B	हिरासा रा पेमजी बैठ्या जाजम राव जनम का भजगडिया, जनमरा रांडोळिया ओ राव ये बैठ्या गोडी वाळा, जनम का मोजगडिया ओ राव ।	II	बन्दौला
C	गुजरी माता बाई रा खोळा रीता कीधा जाई बराजिया हाऊजी रै खोळै जाई बराजिया होराजी रै खोळै ।	III	कामला
D	पारकी हाऊड़ी दुख देई, ओ वेणा बाई दुख-सुख होवै तो हमेरी जिलो, ओ वैणा बाई माथा पे बेवड़ो लेई न पाणी भरजो, ओ वेणा बाई नहीं भरो तो पीहरा सूं मंगाजो, ओ वेणा बाई ।	IV	अणीबोर
		V	हाबु-कबीला

सही विकल्प रो चयन करो :
(1) A-II, B-III, C-I, D-IV
(2) A-I, B-II, C-III, D-IV
(3) A-II, B-III, C-IV, D-V
(4) A-II, B-III, C-V, D-IV
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Adda247 GET IT ON Google Play

75. लोकगीतां में "सुगणी सासू रा जाया" विसेसण है
(1) सासू वास्तै (2) पति वास्तै
(3) बेटा वास्तै (4) मां-बेटा वास्तै
(5) अनुत्तरित प्रश्न

76. "इयां लागै कै लोकगीत अेक 'देवी-वाक्य' है, जिणरो ना कोई निरमाता अर ना स्वर-संधाता । ज्यूं वो मिनख-समुदाय में सहज अर खुदोखुद उद्घाटित हो उठ्यो हुवै अर बिना किणी प्रयास रै सहज ई कंठ सूं कंठ उतरती आपरी परम्परा नैं थापित करतो रैवै" लोकगीत सारू अै भाव किण विद्वान रा है ?
(1) सा.म. नानूराम संस्कर्ता
(2) पद्मश्री विजयदान देथा
(3) डॉ. सत्येन्द्र
(4) डॉ. सोहनदान चारण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

77. जगदेव परमार रै स्वामीधरम अर त्याग सूं रीझ'र जोगणियां सिद्धराज जयसिंह ने कित्ता बरसां री ऊमर बधावतां राज करण रो वर देवै ?
(1) 48 बरस (2) 12 बरस
(3) 32 बरस (4) 36 बरस
(5) अनुत्तरित प्रश्न

78. श्री नानूराम संस्कर्ता लोकसाहित्य संकलन रै इतिहास नै प्रेरणाकाल अर प्रवृत्तिकाल दो भागां में बांटै । वां रै मुजब प्रवृत्तिकाल सरू हुवै
(1) 1884 ई. सूं (2) 1930 ई. सूं
(3) 1943 ई. सूं (4) 1956 ई. सूं
(5) अनुत्तरित प्रश्न

79. "गुड़ खासी जिको कान बिंधासी" कहावत रो अरथ है
(1) गुळ खाय'र कान बिंधावण री रीत है ।
(2) लाभ लेवणियां नै पीड़ ई भुगतणी पड़ै ।
(3) कान बिंधावण में सुगना रो गुळ जरूरी है ।
(4) भाग में लिखी हुवै वा मिलै ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

80. "घूघरी" गीत मूळरूप सूं किण संबंधां नैं दरसावै ?
(1) देराणी-जेठाणी रा (2) सासू-बहू रा
(3) नणद-भौजाइ रा (4) देवर-भौजाइ रा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

81. 'राजस्थान' नाम रो अेक तिमाही छापो सं. 1992 में राजस्थानी रिसर्च सोसायटी, कलकत्ता कानीं सूं छपाणो सरू हुयो, इणरा संस्थापक-संपादक हा
(1) मुनि जिनविजय (2) सूर्यकरण पारीक
(3) किशोरसिंह बाईस्पत्य (4) ठा. रामसिंह तंवर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

82. तुर्रा-कलंगी ख्याल में प्रधानता है
(1) साहित्यिक विसयां री
(2) वैचारिक विसयां री
(3) आध्यात्मिक विसयां री
(4) वैज्ञानिक विसयां री
(5) अनुत्तरित प्रश्न

83. 'मूंडै रा दांत मूंडै में चोखा लागै' कहावत रो अरथ है
(1) दांत होवण सूं मूंडो फूठरो लागै
(2) आपरी ठौड़ माथै मान रैवै
(3) परंपरा रो निभाव होवै
(4) खुदरो काम खुद ने करणो पड़ै
(5) अनुत्तरित प्रश्न

84. गीत, संगीत अर नृत्य साथै विधिवत आयोजित गाथा है
(1) शंकरजी रो ब्यावलो (2) पृथ्वीराज सुरजा
(3) देवनारायण री पड़ (4) काळा-गोरा रो भारत
(5) अनुत्तरित प्रश्न

85. बगड़ावत गाथा में देवी किण नाम सूं जनम लेवै ?
(1) अजया (2) जम्मदूती
(3) कैतकी (4) जैमती
(5) अनुत्तरित प्रश्न

86. काती-बाती कहावत कहीजै –
(1) कताई साथै बातां करण वास्तै
(2) हाथ काम मुख राम वास्तै
(3) काती में दिन छोटा होवै इण वास्तै
(4) काती में बाती सूं दीवो लगावा वास्तै
(5) अनुत्तरित प्रश्न

87. राजस्थानी लोक साहित्य री कुणसी विधा री प्रस्तुति सूं पैली 'छोगा' कैवण री परम्परा है ?
(1) लोकगीत (2) लोककथा
(3) लोकगाथा (4) लोकनाट्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

88. लोकगाथा रै मुजब गोगाजी री मां बाछल नैं संतान प्राप्ति सारू गुरु गोरखनाथ जकी अभिमंत्रित खीर दी, उण नैं बाछल च्यार भागां में बांटी । अेक भाग खुद खायो अर तीन भाग आपरी तीन सखियां नैं दिया । वै तीन सखियां ही
(1) अेक ब्राह्मणी, अेक हरिजन अर अेक घोड़ी
(2) अेक ब्राह्मणी, अेक बणियाणी अर अेक हरिजन
(3) अेक छत्राणी, अेक ब्राह्मणी अर अेक बणियाणी
(4) अेक ब्राह्मणी, अेक हरिजन अर अेक गाय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

89. नीचै दियोड़ा आधारां माथै सही विकल्प चयन करो

(अ) राम-उपासक होवण रै बावजूद चरणदासी पंथ गुरु-वंदन री दीठ सूं कबीर पंथ सूं मिलतो-जुलतो है।

(ब) दयाबाई अर सहजोबाई चरणदासी संप्रदाय री कवियित्रियां ही, जकी महात्मा चरणदास री शिष्यावां ही।

विकल्प :

(1) (अ) अर (ब) दोनूं सही
(2) (अ) गळत अर (ब) सही
(3) (अ) अर (ब) दोनूं गळत
(4) (अ) सही अर (ब) गळत
(5) अनुत्तरित प्रश्न

90. 'ख्याल' बाबत सही कथन है

(A) इणरो प्रदर्शन पुराणी बंधी-बंधाई लोकजीवण री धुन पर ई आधारित हुवै।

(B) उत्तर भारत में जकी 'लावणी' है, वा ही दक्षिण भारत में 'ख्याल' रै नाम सूं ओळखीजै।

(C) इणमें पद्य रै साथै गद्य रो मिश्रण हुवै।

(D) इणमें मूळ उद्देस लोगां रो मनोरंजन करणो है।

(E) इणमें गुरु परम्परा जैड़ी मान्यता रो कोई स्थान नीं है।

सही विकल्प रो चयन करो :

(1) फगत (A), (D) अर (E)
(2) फगत (B), (C) अर (D)
(3) फगत (A), (C) अर (D)
(4) फगत (B), (D) अर (E)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

91. देशनोक करणी माता मंदिर आपरी खास विसेसता रै कारण जग चावो है –

(1) बारै कोसी परक्रमा रै कारण
(2) मंदिर में असंख्य ऊंदरा होवण रै कारण
(3) मंदिर में चढणवाळा प्रसाद रै कारण
(4) मंदिर में झीणी कारीगरी रै कारण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

92. जसनाथी पंथ सूं जुड़ी पोथी है –

(1) मेहा गोदारा कृत रामायण
(2) सुरजन पूनिया कृत रामरासौ
(3) सरवण भूकर कृत सीतपुराण
(4) माधवदास दधवाड़िया कृत रामरासौ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

93. 'चन्द्रभागा' मेळो भरीजै –

(1) झालरापाटन में (2) झालावाड़ में
(3) मालवा में (4) खानपुरा में
(5) अनुत्तरित प्रश्न

94. आदिवासियां रो कुंभ मानीजै

(1) पुष्कर रो मेळो (2) डिग्गी मेळो
(3) कैलादेवी रो मेळो (4) बेणेश्वर मेळो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

95. शेखावाटी में होळी रो डांडो रोपियां पछै नाच सरू होवै, उणरो नाम है

(1) अगन नाच (2) गींदड़ नाच
(3) घूमर नाच (4) बाजीगर नाच
(5) अनुत्तरित प्रश्न

96. लोकनाट्य रा प्राण इणमें बसै। इणरी लय रै कमाल माथै नाट्य रो दारोमदार हुवै। ओ नोबत री सकल रो हुवै पण नोबत सूं कीं छोटो हुवै

(1) नगारो (2) चिकारो
(3) पखावज (4) तबलो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

97. राजस्थानी ग्रामीण संस्कृति में प्रचलित 'थेऊ अर देई' री परम्परा रो संबंध है –

(1) पाणी सूं (2) दूध सूं
(3) धान सूं (4) घिरत सूं
(5) अनुत्तरित प्रश्न

98. गळत जोड़ै रो चयन करो –

(1) लच्छीराम – कुचामणी ख्याल
(2) नानूलाल राणा – चिड़ावी ख्याल
(3) झालीराम-प्रहलादीराम – शेखावाटी ख्याल
(4) अलीबक्ष – हाड़ौती ख्याल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

99. कुणसी लोकदेवी नैं मुसळमान 'नानी' कैय'र उणरी पूजा करै अर देवी-दरसण री जात्रा नैं 'नानी रो हज' कैय पुकारै ?

(1) हिंगळाज माता (2) आवड़ माता
(3) करणी माता (4) बांकल माता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

100. भादवा री अंधारी बारस नै किसो व्रत-त्यूंहार आवै अर ओ क्यूं मनायो जावै ?

(1) बछबारस, कूवै री पूजा वास्तै
(2) बछबारस, खेती में बधैपो होवै इण वास्तै
(3) बावन बारस, भगवान बावन री पूजा वास्तै
(4) बछबारस, बेटा री लंबी ऊमर अर कुसलता वास्तै
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Adda247 GET IT ON Google Play

101. 'माँडला' आदिवासी समाज री अेक परम्परा है, जकी थोड़ै बदलाव साथै आज री मोट्यार पीढ़ी में चावी हुई है – उणरो संबंध है –
(1) तम्बाकू सेवन सूं (2) वन-भ्रमण सूं
(3) द्वार-देहरी सजावट सूं (4) चामड़ी गोदावण सूं
(5) अनुत्तरित प्रश्न

102. चित्तौड़ रो बस्सी गांव किण कला वास्तै चावो है ?
(1) लकड़ी री कलात्मक चीजां वास्तै
(2) कपड़ा माथै चित्रां री बानगी वास्तै
(3) मंदिर री कलाकृति वास्तै
(4) महल-माळियां री कोरणी वास्तै
(5) अनुत्तरित प्रश्न

103. आदमकद चित्रां री परंपरा रैयी है
(1) मेवाड़ शैली री (2) मारवाड़ शैली री
(3) हाड़ौती शैली री (4) ढूंढाड़ शैली री
(5) अनुत्तरित प्रश्न

104. करसा बीज बोवण री बगत लोकदेवतां ने याद करै
(1) मल्लीनाथजी नै (2) तेजाजी नै
(3) हड़बूजी नै (4) मांगलिया मेहाजी नै
(5) अनुत्तरित प्रश्न

105. बारा खंभां माथै टिकियोड़ी छप्पर री छात वाळो वो मंदिर जिणमें बरसां सूं अखंड जोत जगै
(1) भीनमाल कनै सूंधामाता
(2) जायल कनै दधिमती माता
(3) आबू परबत री अरबुदा माता
(4) बिलाड़ा री आईजीमाता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

106. पाबूजी राठौड़ रो ब्याव कठै अर किणरै साथै होयो ?
(1) उगमसी भाटी री धीव रूपांदे साथै
(2) उमरकोट रा सूरजमल सोढा री धीव फूलमदे साथै
(3) मेड़ता रा अमरसिंह मेड़तिया री बेटी लालांदे साथै
(4) राणा जगतसिंह री बेटी सफलांदे साथै
(5) अनुत्तरित प्रश्न

107. राजस्थान में मनाईजण वाळै तीज-तिंवारां रो सही क्रम है (पैली सूं छेहली)
(1) सीळ सातम, गणगोर, सूरज रोटो, घुड़लो, आखातीज
(2) सूरज रोटो, सीळ सातम, गणगोर, घुड़लो, आखातीज
(3) सीळ सातम, सूरज रोटो, गणगोर, घुड़लो, आखातीज
(4) सीळ सातम, सूरज रोटो, गणगोर, आखातीज, घुड़लो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

108. राजस्थानी लोकजीवण में टूणां-टोटकां रो महत्व आज ई है । आँख दूखणी आवै तो उणरी छोत झाड़ण सारू जको टोटको-टूणो करीजै, उणरै संबंध में सही कथन है
(A) छोत उतारण सारू अकूरड़ी माथै सूं अेक मूंज री जेवड़ी लावै अर उण माथै रूई पळेटीजै ।
(B) रूई लपेटी मूंज री जेवड़ी नैं तेल में भिगोईजै । पछै उणरै आग लगावै ।
(C) उण बळती जेवड़ी रै नीचै ऊजळी बेकळू बिछाइजै अर उण माथै तेल री ताती बुंदां पटकीजै ।
(D) जिणरी आँख छोतीजी है, वो उण बाळू रेत माथै पड़ी तेल री बूंद नैं आपरी आँख माथै लगावै ।
(E) छोत उतारण वाळो बोलै – "छड़ छोत, छोत झरै-आँख ठरै" ।
सही विकल्प रो चयन करो :
(1) (A), (B), (C) अर (E)
(2) (A), (B), (C) अर (D)
(3) (B), (C), (D) अर (E)
(4) (A), (C), (D) अर (E)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

109. सौ सूं लेय'र विगतवार एक तांई ऊंधी गिणती सूं झाड़ो दिरीजै –
(1) सांप रो जैर उतारण वास्तै
(2) बिच्छू रो जैर उतारण वास्तै
(3) एकांतरो ताव उतारण वास्तै
(4) दिन में सोवै रात नै जागै इण वास्तै
(5) अनुत्तरित प्रश्न

110. हीमेन (सुगन) बाबत असत्य कथन है
(A) चोर गाम में बड़ै अर बळद दड़ूकै तो खोटा सुगन मानीजै ।
(B) नर री जीमणी अर नारी री डावी आँख फरूकेड़ी भूंडी अर इणसूं विपरीत आछी मानीजै ।
(C) दूध उफणियोड़ो आछो अर ढुळियोड़ो भूंडो मानीजै ।
(D) मेळै में जांवती वेळा जे साफो किणी रूंख में अटक जावै तो आ मानीजै कै अणसैंधा लोगां सूं प्रगाढ़ मित्रता हुवैला ।
(E) मद लेवण नीसरै अर पेसाब री हाजत हुज्यावै तो उण दिन मद मुफत में मिलै, इयां मानीजै ।
सही विकल्प रो चयन करो :
(1) (B), (C) अर (D) (2) (A), (B) अर (D)
(3) (A), (C) अर (E) (4) (B), (D) अर (E)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Adda247 GET IT ON Google Play

111. ऊंट री खाल अर सोनै रा बरक साथै मीनाकारी अर मुनब्बती री कला रो नाम है
(1) सुवरण कला (2) नक्कासी
(3) सोनै री कुट्टी कला (4) ऊस्तां कला
(5) अनुत्तरित प्रश्न

112. सांगानेरी छपाई में खास रंग काम आवै
(1) लाल अर पीळो (2) काळो अर लाल
(3) काळो अर पीळो (4) कळो, पीळो, लाल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

113. लोक मानता मुजब माटी रा बरतणां पर भांत-भांतिली कोरणी साथै किणरा चित्र नी बणाया जावै ?
(1) आडी-ऊभी रेखावां रा
(2) सूरज-चांद अर तारां रा
(3) मिनखां रा
(4) गोळाकार छोटी-बडी रेखावां रा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

114. राजस्थानी लोक मानतावां रै मुजब 'गिणगौर' रै पिरवार रै अन्तरगत ईसरजी री बैनां रा नाम मान्या जावै
(1) गायत्री – सावित्री (2) रोवा – सोवा
(3) हीरां – पन्नां (4) मैनादे – रेणादे
(5) अनुत्तरित प्रश्न

115. संस्कृत रै 'उपारण्य' सूं मेळ राखण वाळो 'ओरण' सबद राजस्थानी लोकजीवण में किण अरथ साथै प्रयुक्त हुवै ?
(1) बाग-बगीचा सारू
(2) बंजड़ भोम सारू
(3) देवी-देवता रै नाम पर अरपित गोचर भोम
(4) रणभोम रै आसंग-पासंग रो छेत्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

116. नीचै लिखी 'आडी' रौ सही अरथ है –
"काळौ बाप कमल सौ बेटौ"
(1) पाणी (2) दीवौ
(3) चरखौ (4) नारेळ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

117. असाढ़ां सुद अष्टमी, ससि बादळ छायो ।
च्यार कूंट पिंजर झरै, ज्यूं भांडो रायो ।
कहावत लारै कांई लोकविश्वास है ?
(1) च्यारूंमेर मेह रो जोर रैवै ।
(2) कठैई मेह री छांट ई नी पड़ै ।
(3) च्यारूंमेर अकाळ पड़ै ।
(4) चांदणी रात वियोग में आछी नी लागै ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

118. राजस्थानी लोक मांय मांडीजण वाळौ 'साखिया' बाबत गलत कथन है –
(1) ओ आणंद-मंगळ रौ प्रतीक है ।
(2) रिगवेद री रिचा मांय इणनै सूरज रो प्रतीक मान्यौ है ।
(3) इणरी चार भुजावां, चार जुग, चार वरण अर चार आश्रम री प्रतीक है ।
(4) सांख्य-दर्शन रै मुजब ओ तत्त्वां अर चतुरगति रो विशुद्ध भारतीय प्रतीक नीं है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

119. भीलवाड़ा रा श्री लाल जोशी आपणी कला सूं न्यारी ओळखांण बणावी –
(1) माटी री मूरत बणावा में
(2) फड़ चितरण में
(3) मिनख काया पै चित्र गोदण में
(4) कागद पै चित्र बणावण में
(5) अनुत्तरित प्रश्न

120. सूरज-चाँद, दन-रात सूं मेळ राखण वाली पहेली है
(1) पेली हा मरद, मरद सूं नार कहाया ।
रण खेतां में जाय, घाव धरती रा खाया ।
कूद समंदर मांय, नार सूं मरद कहाया ।।
(2) तरवर पहली जांणिये, जन इजौ तिण लार ।
सो तुम हमको दीजिये, रावां रा रिझवार ।।
(3) कारी कर ने यूं कहै, मुख बोलण री आंण ।
कारी कर सै ना कहै, तो ऊजड़ होय जिहांन ।।
(4) नर रे आंखज अेक है, नारी री आंखज अेक ।
नैण तो नारी रौ भलो, (पण) नर रौ नैण बिसेक ।।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

121. कृषि संस्कृति में अेक परम्परा प्रचलित है, जिणमें आखै गाम रा लोग बिना मजूरी लियां किणी करसै रै सहयोग सारू सामूहिक श्रम करै । खेत-मालक घणै चाव सूं सगळां नैं सामूहिक भोज जिमावै । इणनैं किण नाम सूं जाणीजै ?
(1) बारी-स्यारी (2) अड़सी-बड़सी
(3) ल्हास-पळास (4) नूंत-पांत
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Adda247 GET IT ON Google Play

122. महाकवि सूर्यमल मीसण री किण रचना में पद्यां री विसालता साथै टकसाली राजस्थानी गद्य रो रूप ई मिलै ?
(1) वंश भास्कर (2) राम रंजाट
(3) बीरसतसई (4) छंदोमयूख
(5) अनुत्तरित प्रश्न

123. 'कान्हड़दे प्रबंध' रै मुजब कान्हड़दे रौ जुद्ध किणरै सागै हुवौ ?
(1) इल्तुतमिस (2) रजिया बेगम
(3) अलाउद्दीन खिलजी (4) बलबन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

124. आदिवासी भीलां री गरीबी अर वांरै परिवेस रा चितराम मांडती रचना है
(1) अगनीमंतर – भगवतीलाल व्यास
(2) बोल डूंगरी ढब ढबुक – ज्योतिपुंज
(3) सरणाटो – वासुआचार्य
(4) उतर्यौ है आभौ – मालचन्द तिवाड़ी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

125. 'ढोला मारू रा दूहा' रै मुजब ढोला रौ नाम है –
(1) कुंवर प्रताप (2) कुंवर रिछपाळ
(3) साल्ह कुंवर (4) प्रभात कुंवर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

126. नीचै लिख्योड़ी रचनावां मांय सूं कुणसी रचना ईसरदास बारहठ री नीं है ?
(1) हरिरस (2) चेत मानखां
(3) देवियांण (4) निंदास्तुति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

127. रवि पुरोहित ने 'जीवो म्हारा सांवरा' पोथी माथै पुरस्कार दिरीज्यो –
(1) केन्द्रीय साहित्य अकादेमी रो भाषा सम्मान पुरस्कार
(2) केन्द्रीय साहित्य अकादेमी रो युवा पुरस्कार
(3) केन्द्रीय साहित्य अकादेमी रो अनुवाद पुरस्कार
(4) केन्द्रीय साहित्य अकादेमी रो बालसाहित्य पुरस्कार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

128. अन्नाराम सुदामा कृत उपन्यास 'मेवै रा रूंख ?' में 'मेवै रा रूंख' किणरा प्रतीक है ?
(1) किसान (2) मजदूर
(3) सेठ–साहूकार (4) बरगद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

129. ओ अेक वर्णिक छंद है । इण मांय चार पद्य अर अठारह वर्ण हुवै । यति आठवें अर दसवें वर्ण में आवै । ओ निरतगीत है, जको गायो भी जावै । इणरो नाम है
(1) गुरवावली (2) चर्चरी
(3) बोलिका (4) औक्तिक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

130. "आपणी मायड़ भाषा रो नाम राजस्थानी हो । मेड़ता री मीरां इण मांय पदां री रचना करती अर गाया करती । आं पदां नैं सोरठ री सींवां ताईं रा लोग गाता अर आपणा कर'र मानता । चारणां रा दूहा भी राजस्थान री किणी सींव मांयकर उतरता अर काठियावाड़ में घरघराऊ बण जाता । नरसी मेहतो गिरनार री तळेटी मांय प्रभु पदां री रचना करतो अर अै पद जातरियां रै कंठां चढ'र जोधपुर, उदयपुर पूग जाया करता । इण भाषा री बेटियां ब्रजभाषा, गुजराती अर आज री राजस्थानी नाम धारण करती सुतंतर भाणवां बणी ।" राजस्थानी भाषा सारू अै उद्गार व्यक्त करणियां विद्वान है –
(1) सीताराम लाळस
(2) प्रो. अम्बादान रोहड़िया
(3) झवेरचंद मेघाणी
(4) एल. पी. तैस्सितोरी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

131. 'पंच सहेली रा दूहा' राजस्थानी री अेक रोचक लघु रचना है । इणमें माळी, तंबोळी, छींपी, कलालण अर सुनार जात री लुगायां आपबीती विरह–व्यथा बतावै । इण कृति रा रचनाकार है –
(1) बांकीदास आसिया (2) कवि छीहल
(3) बुध जी आसिया (4) दुरसा आढा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

132. अेकइ वन्नि वसंतड़ा, अेवड़ अन्तर काइ ।
सीह कवड्डी ना लहइ, गइवर लक्खि बिकाइ ॥
ऊपर लिख्योड़ै दूहै रा सिरजणहार है –
(1) शिवदास गाडण (2) श्रीधर व्यास
(3) बादर ढाढी (4) नरपति नाल्ह
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Adda247 GET IT ON Google Play

133. दयालदास री ख्यात में मिळै
(1) जोधपुर रो इतिहास
(2) बीकानेर राजघराणां रो इतिहास
(3) उदयपुर राजघराणां रो थोड़ो-थोड़ो इतिहास
(4) जयपुर राजघराणां रो इतिहास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

134. डॉ. एल. पी. टैसीटोरी रै मुजब राजस्थानी रो प्राचीन डिंगल काल मानीजै –
(1) सं. 800 सूं 900 तांई
(2) सं. 1000 सूं 1400 तांई
(3) ई. सं. 1250 सूं 1650 तांई
(4) सं. 1055 सूं 1560 तांई
(5) अनुत्तरित प्रश्न

135. प्रबन्धात्मक अर प्रेमकथात्मक 316 छंदां री रचना जिणरो आधार ऐतिहासिक पात्र रो जीवन प्रसंग है
(1) बीसलदेव रासो (2) खुमाण रासो
(3) सगत रासो (4) हमीर रासो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

136. राजस्थानी साहित्य रो प्रारम्भिक लिखित रूप मिलै –
(1) अभिग्रंथां में (2) अभिलेखां में
(3) लोक साहित्य में (4) संस्कृत साहित्य में
(5) अनुत्तरित प्रश्न

137. "तूं छै देसी रूंखड़ो, अै परदेसी लोग ।
म्हांनै अकबर तेड़ियो, तूं क्यूं आयो फोग ।।"
पर-धरती में फोग नैं देख'र ओ भाव व्यक्त करण वाळा राजा हा –
(1) महाराजा रायसिंह (2) महाराजा मानसिंह
(3) महाराजा बखतसिंह (4) महाराजा जसवंतसिंह
(5) अनुत्तरित प्रश्न

138. कविते अलू दूहे करमाणंद, पात ईसर विद्या चौ पूर ।
छंदे मेहो झूलणे मालो, सूर पदे गीते हरसूर ।।
ऊपर लिखी ओळियां में कित्ता रचनाकारां रै काव्यकौशल री विरोळ भेळी है ?
(1) पाँच (2) छह
(3) सात (4) आठ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

139. "हाथि कचोळउ सिर घड़उ, सींचंतीय मरेसि"
ढोला -मारू रा दूहा काव्य री इण ओळी में आयोड़ै 'कचोळउ' सबद रो सही अरथ है –
(1) काची ऊमर रो टाबर (2) हथेळी रो छालो
(3) कटोरो (4) अंकुस
(5) अनुत्तरित प्रश्न

140. सूची-I अर सूची-II नैं सावळसर मिलाओ :

सूची-I		सूची-II	
A	भाषा भूषण	I	रतनू वीरभाण
B	कायम रासौ	II	कवि जान
C	रतन रासौ	III	ढाढी बादर
D	नीसांणी वीरभाण री	IV	खिड़िया जग्गा
		V	महाराजा जसवंतसिंह

सही विकल्प रो चयन करो :
(1) A-V, B-II, C-IV, D-I
(2) A-I, B-III, C-IV, D-II
(3) A-IV, B-III, C-I, D-II
(4) A-V, B-II, C-IV, D-III
(5) अनुत्तरित प्रश्न

141. मांण रखै तो पीव तज, पीव रखै तज मांण ।
दो-दो गयंद न बंध ही, हेकै खंभू ठांण ।।
ओ दूहो कुण किणनै कैयो ?
(1) आसोजी, बारठ, उमादे भटियाणी नैं
(2) ईसरदास बारठ, आपरी जोड़ायत नैं
(3) बाघो, भारमली नैं
(4) लक्खोजी बारठ, रूठी राणी नैं
(5) अनुत्तरित प्रश्न

142. "जे पृथ्वीराज जी 'वेलि' नैं ओज विहूण पिंगल में रचता, तो वा अेक साव निरवाळै हिसाब री रचना बणती, जकी संगीत-माधुर्य में वरतमान ग्रंथ रै जोड़ में बिल्कुल खड़ी नीं हुती अर सुभाविक सरलता में तो साव घटिया ई रहती ।"
'वेलि क्रिसन रुकमणी' री बाबत इण भांत रा विचार व्यक्त करण वाळा आलोचक है –
(1) नरोत्तमदास स्वामी (2) एल.पी. टैसीटोरी
(3) हीरालाल माहेश्वरी (4) मोतीलाल मेनारिया
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Adda247 GET IT ON Google Play

143. ईसरदास बारठ रै माता-पिता रो नाम हो –
(1) राजबाई अर सूराजी बारठ
(2) अमरबाई अर सूजाजी बारठ
(3) पद्माबाई अर आसानंद बारठ
(4) गुलाबबाई अर हरसूरजी बारठ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

144. इण मांय जैन रचनाकारां री जूनी रचना है –
(1) रेवतगिरि रास
(2) आबू रास
(3) भरतेश्वर बाहुबलि रास
(4) जीवदया रास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

145. अस चढियो राजा अभो, करि चाढै कविराज ।
पोहर हेक जळेब में, मोहर चले महाराज ।।
इण दूहै बाबत असत्य कथन है –
(A) ओ अेक कवि रै उच्च सम्मान अर राजा रै अनूठै काव्यप्रेम रो साखीधर है ।
(B) कवि नै जेळ सूं काढण सारू, राजा खुद घोड़ै सेती जेळ में रैवण नैं तैयार हुवै ।
(C) सांकेतिक रूप सूं अेक प्रहर जेळ में रैयां पछै राजा मोहलत लेय बारै आवै अर कवि सूं मिलै ।
(D) कवि उपकार भाव सूं 'अभय-सिणगार' सिरैनाम सूं 126 पद्धरी छंदां वाळो विलालो काव्यग्रंथ रचै ।
(E) कर्नल टॉड रै मुजब इण दूहै में वर्णित कविया करणीदान कन्नौज रा रैवण वाळा हा जदकै पं. रामकर्ण आसोपा इणसूं सहमत नीं है ।
सही विकल्प रो चयन करो :
(1) फगत (B), (C) अर (D)
(2) फगत (A), (B) अर (C)
(3) फगत (B), (D) अर (E)
(4) फगत (C), (D) अर (E)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

146. "पूत-हेत पेखतां पिता प्रति, वळी विसेखइ मात वडी" आ ओळी किण रचना री है ?
(1) वसुदेव रावउत
(2) रणमल छंद
(3) वेलि-क्रिसन रुकमणी री
(4) बलवद् विलास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

147. दादूपंथी साधुवां बाबत असंगत कथन है –
(1) इण पंथ में मूळ रूप सूं चार भांत रा साधु मिलै ।
(2) खाकी साधु वै हुवै, जका भसम रमावै अर सिरजटा बंधावै ।
(3) विरक्त साधु कोवीन बांधै, काषाय कपड़ा धारण करै, हाथ में तूंबी राखै ।
(4) नागा अर थांभाधारी साधु चोटी राखै, गळै में कंठी धारण करै पण तिलक लगावण सूं परहेज करै ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

148. राजस्थानी साहित्य रै इतिहास रै नामकरण अर कालविभाजन री दीठ सूं असत्य कथन है –
(1) एल.पी. टैसीटोरी भाषा रै रूप नैं आधार मानतां प्राचीन रूप अर अर्वाचीन रूप दो भागां में बांटै ।
(2) नरोत्तमदास स्वामी प्राचीनकाल, मध्यकाल अर अर्वाचीनकाल सिरैनाम सूं कुल तीन भागां में बांटै ।
(3) गजराज औझा राजस्थानी साहित्य रै उत्तरकाल री सीमा 1901 ई. सूं सरू मानै ।
(4) हीरालाल माहेश्वरी आधुनिक काल रो आरम्भ सन् 1850 सूं मानै ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

149. गोरा-बादिल पद्मिनी चउपई रा रचनाकार है –
(1) जिनभद्र सूरि (2) हेमरतन सूरि
(3) शालिभद्र सूरि (4) जिनराज सूरि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

150. नीचै दियोड़ा मांय सूं असंगत कथन छांटो –
(1) "लागूं हूं पैलां लुळै, पीताम्बर गुरु पाय" कवि ईसरदास बारहठ री गुरुभगती सूं जुड़ी ओळी है ।
(2) "लखपत पिंगल" कवि हम्मीर जी रतनू कृत पिंगल छंदशास्त्र रो महताऊ ग्रंथ है, जिणमें पिंगल रे छंदां री रचनाविधियां समझाईजी है ।
(3) "मन जाणै चढ़ूं हाथियां माथै, खुर घासंतां जनम खुवै । नर री चींती बात हुवै ना, हर री चींती बात हुवै" गीत ओपाजी आढा रो कह्योड़ो है ।
(4) जोधपुर आयोड़ै इरानी सरदार महाराज मानसिंह नैं कैयो कै वो इरान रो रैवण वाळो है पण बांकीदास आसिया इरान रै इतिहास नैं उणसूं ज्यादा जाणै ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Adda247 GET IT ON Google Play

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK

Adda247